कराग्रे वसते लक्ष्मीः

Karagre Vasate Lakshmi • श्लोक • देवनागरी

कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती।
करमूले तु गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम्॥

रचना / पाठ-परंपरा: पारंपरिक प्रातःस्मरण श्लोक
पारंपरिक पाठ; वर्तनी और पाठांतर संभव हैं।